7/2/24

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व वादी
को आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज
लगाने के बावजूद भी वकील वादी व वादी
न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर वादी
का वाद अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज
किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर
नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।